चुनाव और प्रतिनिधित्व

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» चुनाव और लोकतंत्र में इसकी भूमिका

प्रश्न 1 (आसान). हमारे देश में कौन सी प्रकार की लोकतंत्र व्यवस्था है – प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष?

उत्तर – अप्रत्यक्ष लोकतंत्र।

प्रश्न 2 (आसान). प्रतिनिधि किसे कहते हैं?

उत्तर – वे लोग जिन्हें जनता अपने लिए फैसले लेने के लिए चुनती है।

प्रश्न 3 (मध्यम). क्या बिना चुनाव के कोई देश लोकतांत्रिक कहला सकता है? कारण बताओ।

उत्तर – नहीं, क्योंकि चुनाव के बिना जनता अपने प्रतिनिधियों को चुन नहीं सकती और खुद शासन में शामिल नहीं हो सकती। चुनाव ही जनता को अपनी पसंद व्यक्त करने का अवसर देते हैं।

प्रश्न 4 (कठिन). एक लोकतांत्रिक चुनाव को गैर-लोकतांत्रिक चुनाव से क्या बात अलग करती है?

उत्तर – एक लोकतांत्रिक चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होता है, जिसमें सभी को बिना किसी डर के वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार होता है, और जनता की पसंद का सम्मान किया जाता है। गैर-लोकतांत्रिक चुनाव केवल दिखाने के लिए होते हैं और अक्सर निष्पक्ष नहीं होते, जिससे सत्ताधारी दल को ही हमेशा लाभ होता है।

» भारत में चुनाव व्यवस्था: संवैधानिक प्रावधान

प्रश्न 5 (आसान). भारत में चुनाव की देखरेख कौन करता है? 'Who oversees elections in India'?

उत्तर – भारत निर्वाचन आयोग (Election Commission of India)

प्रश्न 6 (आसान). क्या चुनाव लड़ने के नियम संविधान में दिए गए हैं? 'Are the rules for contesting elections given in the Constitution'?

उत्तर – हाँ, मूलभूत नियम संविधान में दिए गए हैं।

प्रश्न 7 (मध्यम). संविधान चुनावों के लिए मूलभूत नियम क्यों बनाता है, 'why does the Constitution lay down fundamental rules for elections'?

उत्तर – ताकि चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र हों, राजनीतिक दल मनमाने ढंग से नियम न बदल सकें और 'democratic values' सुरक्षित रहें।

» चुनाव प्रणालियों के प्रकार: 'जो सबसे आगे वही जीते'

प्रश्न 8 (आसान). 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली में भारत को कितने निर्वाचन क्षेत्रों में बांटा गया है?

उत्तर – 543 निर्वाचन क्षेत्रों में

प्रश्न 9 (आसान). इस प्रणाली में विजेता बनने के लिए क्या 'कुल वोटों का बहुमत' पाना ज़रूरी है?

उत्तर – नहीं, बहुमत पाना ज़रूरी नहीं है, बस अन्य प्रत्याशियों से ज़्यादा वोट होने चाहिए।

प्रश्न 10 (मध्यम). अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र में 3 उम्मीदवार हों और उन्हें क्रमशः 40%, 35% और 25% वोट मिलें, तो कौन जीतेगा?

उत्तर – जिस उम्मीदवार को 40% वोट मिले हैं, वह जीतेगा क्योंकि उसे सबसे ज़्यादा वोट मिले हैं।

प्रश्न 11 (कठिन). कल्पना कीजिए कि एक चुनाव में 6 उम्मीदवार हैं और विजेता को केवल 20% वोट मिलते हैं, जबकि बाकी सभी उम्मीदवारों को 10-15% वोट मिलते हैं। क्या यह 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली के तहत संभव है? क्यों?
उत्तर – हाँ, यह बिल्कुल संभव है। क्योंकि इस प्रणाली में जीतने के लिए 'अन्य सभी प्रत्याशियों से अधिक वोट' चाहिए, बहुमत नहीं। यदि 20% वोट सबसे ज़्यादा हैं, तो वही प्रत्याशी विजेता होगा, भले ही ज़्यादातर मतदाताओं ने उसे वोट न दिया हो।

» समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली

प्रश्न 12 (आसान). समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली में मतदाता किसको वोट देते हैं? प्रत्याशी को या पार्टी को?
उत्तर – पार्टी को।

प्रश्न 13 (आसान). इजराइल में विधायिका को क्या कहते हैं?
उत्तर – क्नेसेट (Knesset)।

प्रश्न 14 (मध्यम). अगर किसी देश में 200 सीटें हैं और एक पार्टी को 25% वोट मिले, तो उसे कितनी सीटें मिलेंगी?
उत्तर – 200 का 25% = 50 सीटें।

प्रश्न 15 (कठिन). समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली का एक मुख्य फायदा क्या है, जो 'सर्वाधिक वोट पाने वाले की जीत' प्रणाली में नहीं मिलता?
उत्तर – छोटी पार्टियों को भी संसद में प्रतिनिधित्व मिल जाता है।

» राज्यसभा चुनावों में एकल संक्रमणीय मत प्रणाली

प्रश्न 16 (आसान). राज्यसभा चुनावों में मतदाता कौन होते हैं?
उत्तर – राज्य विधानसभा के निर्वाचित सदस्य (विधायक)।

प्रश्न 17 (आसान). राज्यसभा चुनावों में वोट कैसे दिए जाते हैं - सिर्फ एक को या वरीयता क्रम में?
उत्तर – वरीयता क्रम (जैसे 1, 2, 3...) में।

प्रश्न 18 (मध्यम). एकल संक्रमणीय मत प्रणाली में 'संक्रमणीय' का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि जिस उम्मीदवार को सबसे कम प्रथम वरीयता वोट मिलते हैं और वह जीत नहीं पाता, उसके वोट अन्य उम्मीदवारों को उनकी दूसरी वरीयता के अनुसार 'ट्रांसफर' या हस्तांतरित हो जाते हैं।

प्रश्न 19 (कठिन). अगर किसी राज्य में 100 विधायक हैं और उन्हें राज्यसभा के लिए 2 सदस्य चुनने हैं, तो जीतने के लिए कितने वोटों का कोटा चाहिए होगा? (सूत्र का उपयोग करें)
उत्तर – कोटा = [100 / (2 + 1)] + 1 = [100 / 3] + 1 = 33.33 + 1 = 34.33। चूंकि वोट को पूर्णांक में लिया जाता है, इसलिए कोटा 34 + 1 = 35 वोट होगा।

» भारत ने 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली क्यों अपनाई?

प्रश्न 20 (आसान). भारत ने 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली क्यों अपनाई? कोई एक कारण बताएं।
उत्तर – इस प्रणाली को मतदाताओं के लिए 'सरल' बनाना था।

प्रश्न 21 (आसान). इस प्रणाली से 'सरकार में स्थिरता' कैसे आती है?
उत्तर – यह प्रणाली अक्सर बड़े दलों को 'स्पष्ट बहुमत' दिलाती है, जिससे एक 'स्थायी सरकार' बनती है।

प्रश्न 22 (मध्यम). 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली में मतदाताओं को 'स्पष्ट विकल्प' कैसे मिलता है?
उत्तर – मतदाता सीधे एक 'प्रत्याशी' या 'दल' को चुनते हैं, उन्हें वरीयता सूची बनाने की जटिलता में नहीं पड़ना पड़ता, जिससे वे जानते हैं कि उनका प्रतिनिधि कौन है और वह 'उनके प्रति उत्तरदायी' है।

प्रश्न 23 (कठिन). अगर भारत ने 'समानुपातिक प्रतिनिधित्व' प्रणाली अपनाई होती, तो 'सरकार की स्थिरता' पर क्या प्रभाव पड़ता? समझाइए।

उत्तर – समानुपातिक प्रतिनिधित्व में सीटें वोटों के प्रतिशत के अनुपात में बँट जातीं, जिससे किसी भी पार्टी को 'स्पष्ट बहुमत मिलने में कठिनाई' हो सकती थी। इससे अक्सर 'गठबंधन सरकारें' बनतीं, जो अस्थिर हो सकती हैं और देश के लिए बड़े फैसले लेने में दिक्कत आ सकती है। 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली इसके विपरीत, 'स्थायी सरकार' बनाने में मदद करती है।

» निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण

प्रश्न 24 (आसान). लोकसभा में अनुसूचित जाति के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं (लगभग)?

उत्तर – लगभग 84 सीटें।

प्रश्न 25 (आसान). कौन सी संस्था तय करती है कि कौन से निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित होंगे?

उत्तर – परिसीमन आयोग।

प्रश्न 26 (मध्यम). पृथक निर्वाचन मंडल और आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर – पृथक निर्वाचन मंडल में केवल उसी समुदाय के लोग वोट देते थे, जबकि आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में सभी लोग वोट डालते हैं, लेकिन उम्मीदवार आरक्षित समुदाय से होता है।

प्रश्न 27 (कठिन). संविधान में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था क्यों की गई थी, जबकि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पहले से ही मौजूद था?

उत्तर – सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार सभी को वोट देने का अधिकार देता है, लेकिन 'सर्वाधिक मत से जीत' वाली प्रणाली में कमजोर सामाजिक समूह अक्सर चुनाव नहीं जीत पाते थे। आरक्षण सुनिश्चित करता है कि उन्हें सिर्फ वोट देने का नहीं, बल्कि चुने जाने का भी मौका मिले, जिससे उनका प्रतिनिधित्व वास्तविक रूप से हो।

» स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

प्रश्न 28 (आसान). भारत में वोट डालने की न्यूनतम उम्र क्या है?

उत्तर – 18 वर्ष

प्रश्न 29 (आसान). क्या एक महिला को भारत में पुरुष की तुलना में देर से वोट देने का अधिकार मिला?

उत्तर – नहीं, भारतीय संविधान में सभी वयस्क नागरिकों को एक साथ यह अधिकार दिया।

प्रश्न 30 (मध्यम). सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार किस सिद्धांत को मज़बूत करता है?

उत्तर – समानता और गैर-भेदभाव (Equality and Non-discrimination)

प्रश्न 31 (कठिन). अगर कोई व्यक्ति अपराध के लिए दो साल जेल में रह चुका है, तो क्या वह लोकसभा चुनाव लड़ सकता है? क्यों?

उत्तर – नहीं, क्योंकि चुनाव लड़ने के लिए एक कानूनी प्रतिबंध है कि यदि किसी व्यक्ति को किसी अपराध के लिए दो या दो से अधिक वर्षों के लिए जेल हुई हो, तो वह चुनाव लड़ने के योग्य नहीं है।

» स्वतंत्र निर्वाचन आयोग की भूमिका

प्रश्न 32 (आसान). 'भारत का निर्वाचन आयोग' किस अनुच्छेद के तहत स्थापित किया गया है?

उत्तर – अनुच्छेद 324

प्रश्न 33 (आसान). निर्वाचन आयोग की मुख्य जिम्मेदारी क्या है?

उत्तर – चुनावों को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाना

प्रश्न 34 (मध्यम). राज्य निर्वाचन आयोग और भारत के निर्वाचन आयोग के कार्यों में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – राज्य निर्वाचन आयोग स्थानीय निकायों (पंचायत, नगर पालिका) के चुनाव कराता है, जबकि भारत का निर्वाचन आयोग लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा के चुनाव कराता है।

प्रश्न 35 (कठिन). निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति कौन करता है और उनकी कार्यकाल सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है?
उत्तर – राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद् के परामर्श पर। कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक (जो पहले हो)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संसद के विशेष बहुमत से ही हटाया जा सकता है, जो उसकी कार्यकाल सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

» चुनाव सुधारों की आवश्यकता और सुझाव

प्रश्न 36 (आसान). चुनाव सुधारों की आवश्यकता क्यों होती है?
उत्तर – चुनावी प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी बनाने के लिए।

प्रश्न 37 (आसान). भारत में चुनावी खर्चों को नियंत्रित करना क्यों ज़रूरी है?
उत्तर – ताकि धनी उम्मीदवार अपनी संपत्ति का अनुचित लाभ न उठा सकें और चुनाव सभी के लिए समान हों।

प्रश्न 38 (मध्यम). आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों पर रोक लगाने का सुझाव क्यों दिया जाता है?
उत्तर – ताकि राजनीति का अपराधीकरण रोका जा सके और साफ-सुथरी छवि वाले लोग चुनाव लड़ सकें, जिससे लोकतंत्र की गुणवत्ता सुधरे।

प्रश्न 39 (कठिन). आनुपातिक प्रतिनिधित्व (Proportional Representation) प्रणाली का सुझाव क्यों दिया जाता है, और यह वर्तमान 'first-past-the-post' प्रणाली से कैसे अलग है?
उत्तर – आनुपातिक प्रतिनिधित्व का सुझाव इसलिए दिया जाता है ताकि 'votes translate more accurately into seats', यानि हर पार्टी को उसके मिले वोटों के अनुपात में सीटें मिलें। 'First-past-the-post' में जो सबसे आगे होता है वो जीतता है, भले ही उसे 50% से कम वोट मिले हों, जिससे छोटे दलों और अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। आनुपातिक प्रणाली में ये कमी दूर होती है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. चुनाव लोकतंत्र के लिए क्यों आवश्यक हैं? प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में मुख्य अंतर स्पष्ट करें।

› पहले हम समझेंगे कि लोकतंत्र में चुनाव की क्या भूमिका है। 'कोई भी निर्णय लेने में सभी नागरिक प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं ले सकते।' इसलिए हमें ऐसे लोगों की ज़रूरत होती है जो हमारी तरफ से फैसले लें।

› इन लोगों को 'प्रतिनिधि' कहते हैं और इन्हें चुनने की प्रक्रिया को 'चुनाव' कहते हैं। चुनाव के बिना हम अपने प्रतिनिधियों को नहीं चुन सकते, इसलिए चुनाव लोकतंत्र के लिए बहुत ज़रूरी हैं।

› अब आते हैं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लोकतंत्र पर। 'प्रत्यक्ष लोकतंत्र में नागरिक रोजमर्रा के फैसलों और सरकार चलाने में सीधे भाग लेते हैं।' जैसे प्राचीन यूनान में या हमारी ग्राम सभाओं में होता है।

› लेकिन जब आबादी बहुत ज़्यादा हो, तो यह संभव नहीं होता। इसलिए 'जनता के शासन का अर्थ सामान्यतः जनता के प्रतिनिधियों के द्वारा चलने वाले शासन से है।' इसे 'अप्रत्यक्ष लोकतंत्र' कहते हैं, जहाँ हम वोट देकर अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं जो हमारे लिए फैसले लेते हैं। भारत में यही व्यवस्था है।

उत्तर – चुनाव लोकतंत्र के लिए आवश्यक हैं क्योंकि बड़ी आबादी सीधे निर्णय नहीं ले सकती, इसलिए वे अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। प्रत्यक्ष लोकतंत्र में नागरिक सीधे भाग लेते हैं, जबकि अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में वे अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से भाग लेते हैं।

उदाहरण 2. संविधान चुनावों के लिए मूलभूत नियम क्यों बनाता है, यह संसद पर क्यों नहीं छोड़ दिया जाता?

› पहला कदम, पहचानना कि चुनाव 'democracy' का आधार हैं।

› दूसरा कदम, समझना कि अगर नियम 'flexible' होंगे या 'political parties' खुद तय करेंगी, तो वे अपने फायदे के लिए बदल सकती हैं।

› तीसरा कदम, यह देखना कि संविधान 'stability' और 'fairness' सुनिश्चित करता है, ताकि चुनावों में 'trust' बना रहे और कोई भी सरकार 'rules of the game' को अपने हिसाब से न बदल सके।

उत्तर – संविधान चुनावों के लिए मूलभूत नियम इसलिए बनाता है ताकि चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रहें, और कोई भी राजनीतिक दल अपने फायदे के लिए नियमों में बदलाव न कर सके। यह लोकतंत्र की नींव है जिसे बदलना आसान नहीं होना चाहिए।

उदाहरण 3. एक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 4 उम्मीदवार 'अ', 'ब', 'स' और 'द' थे। कुल 10,000 वोट पड़े। 'अ' को 3,500 वोट, 'ब' को 2,800 वोट, 'स' को 2,200 वोट और 'द' को 1,500 वोट मिले। 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली के तहत कौन विजेता होगा?

› पहला कदम: सभी उम्मीदवारों को मिले वोटों की संख्या देखें।

› दूसरा कदम: यह पहचानें कि किस उम्मीदवार को सबसे ज़्यादा वोट मिले हैं।

› तीसरा कदम: 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली के नियम के अनुसार, सबसे ज़्यादा वोट पाने वाला उम्मीदवार ही विजेता होगा।

उत्तर – उम्मीदवार 'अ' को सबसे ज़्यादा 3,500 वोट मिले हैं, इसलिए 'अ' ही विजेता घोषित किया जाएगा, भले ही उसे कुल वोटों का बहुमत (5,000 से ज़्यादा) नहीं मिला।

उदाहरण 4. मान लीजिए एक देश की संसद में 100 सीटें हैं। चुनाव में पार्टी 'अ' को 40% वोट, पार्टी 'ब' को 30% वोट, पार्टी 'स' को 20% वोट और पार्टी 'द' को 10% वोट मिलते हैं। समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत प्रत्येक पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी?

› हमें यह देखना है कि हर पार्टी को कुल वोटों का कितना प्रतिशत मिला है।

› कुल सीटें 100 हैं।

› पार्टी 'अ' को 40% वोट मिले, तो उसे 100 का 40% = 40 सीटें मिलेंगी।

› पार्टी 'ब' को 30% वोट मिले, तो उसे 100 का 30% = 30 सीटें मिलेंगी।

› पार्टी 'स' को 20% वोट मिले, तो उसे 100 का 20% = 20 सीटें मिलेंगी।

› पार्टी 'द' को 10% वोट मिले, तो उसे 100 का 10% = 10 सीटें मिलेंगी।

उत्तर – पार्टी 'अ' को 40 सीटें, पार्टी 'ब' को 30 सीटें, पार्टी 'स' को 20 सीटें, और पार्टी 'द' को 10 सीटें मिलेंगी।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक राज्य में 150 विधायक हैं और उन्हें राज्यसभा के लिए 3 सदस्य चुनने हैं। विजयी उम्मीदवार के लिए कितने वोटों का कोटा चाहिए होगा?

› सबसे पहले, हम कोटा निकालने का सूत्र लगाएंगे: कोटा = [कुल वैध मत / (विजयी होने वाले उम्मीदवारों की संख्या + 1)] + 1।

› कुल वैध मत (विधायकों की संख्या) = 150।

› विजयी होने वाले उम्मीदवारों की संख्या = 3।

› सूत्र में मान रखने पर: कोटा = [150 / (3 + 1)] + 1।

› आगे हल करने पर: कोटा = [150 / 4] + 1।

› कोटा = 37.5 + 1।

› क्योंकि वोट आधे नहीं हो सकते, इसलिए इसे अगली पूर्ण संख्या में लेते हैं। तो, कोटा = 38 + 1 = 39।

› यानी, एक उम्मीदवार को जीतने के लिए 39 वोटों की ज़रूरत होगी।

उत्तर – विजयी उम्मीदवार को 39 वोटों का कोटा प्राप्त करना होगा।

उदाहरण 6. मान लीजिए, एक लोकसभा क्षेत्र में कुल 1,00,000 वैध वोट पड़े। यहाँ से 5 उम्मीदवार खड़े हैं: 'क', 'ख', 'ग', 'घ' और 'ङ'। उनके प्राप्त वोट नीचे दिए गए हैं। 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली के अनुसार कौन जीतेगा?

› उम्मीदवार 'क' को मिले वोट = 30,000

› उम्मीदवार 'ख' को मिले वोट = 25,000

› उम्मीदवार 'ग' को मिले वोट = 20,000

› उम्मीदवार 'घ' को मिले वोट = 15,000

› उम्मीदवार 'ङ' को मिले वोट = 10,000

› अब हम देखेंगे कि किस उम्मीदवार को सबसे ज़्यादा वोट मिले हैं।

› उम्मीदवार 'क' को 30,000 वोट मिले हैं, जो कि बाकी सभी उम्मीदवारों से ज़्यादा हैं।

उत्तर – इसलिए, 'जो सबसे आगे वही जीते' प्रणाली के अनुसार, उम्मीदवार 'क' विजेता होगा।

उदाहरण 7. भारतीय संविधान में अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण क्यों महत्वपूर्ण है? यह कैसे काम करता है?

› स्टेप 1: कारण समझें - हमारे समाज में SC और ST वर्ग ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं, और 'सर्वाधिक मत से जीत' वाली प्रणाली में उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना मुश्किल था।

› स्टेप 2: उद्देश्य जानें - आरक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इन कमजोर सामाजिक समूहों को भी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 'उचित और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व' मिले, ताकि वे अपने मुद्दों को उठा सकें।

› स्टेप 3: कार्यप्रणाली देखें - 'आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों' में सभी मतदाता वोट डालते हैं, लेकिन चुनाव लड़ने वाला उम्मीदवार केवल उसी 'आरक्षित समुदाय' से होता है (जैसे SC या ST)।

› स्टेप 4: निर्धारण प्रक्रिया - 'परिसीमन आयोग' एक स्वतंत्र संस्था है, जो 'चुनाव आयोग' के साथ मिलकर तय करती है कि कौन से निर्वाचन क्षेत्र SC या ST के लिए आरक्षित होंगे। वे जनसंख्या के अनुपात और भौगोलिक फैलाव को देखते हैं।

उत्तर – निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण SC और ST वर्गों के लिए आवश्यक है ताकि उन्हें भारतीय लोकतंत्र में उचित प्रतिनिधित्व मिल सके, जहाँ सभी मतदाता वोट डालते हैं लेकिन उम्मीदवार आरक्षित वर्ग से आता है। इसका निर्धारण परिसीमन आयोग द्वारा किया जाता है।

उदाहरण 8. श्याम अभी 17 साल का है और वह गाँव के सरपंच के चुनाव में वोट डालना चाहता है। क्या वह वोट दे सकता है?

› पहला चरण: 'Universal Adult Franchise' के अनुसार, भारत में वोट डालने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है।

› दूसरा चरण: श्याम की वर्तमान आयु 17 वर्ष है, जो कि निर्धारित 18 वर्ष से कम है।

› तीसरा चरण: इसलिए, श्याम को अभी वोट डालने का अधिकार नहीं है।

उत्तर – नहीं, श्याम अभी वोट नहीं दे सकता क्योंकि उसकी उम्र 18 वर्ष से कम है।

उदाहरण 9. चुनाव के दौरान 'आदर्श आचार संहिता' का पालन क्यों ज़रूरी है और इसे कौन लागू करता है?

› समझें कि 'आदर्श आचार संहिता' (Model Code of Conduct) क्या है: यह नियमों का एक सेट है जो राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान पालन करना होता है ताकि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। इसमें 'No hate speech', 'No bribing voters' जैसे नियम होते हैं।

› पता करें कि इसका उद्देश्य क्या है: 'Why is it important?' इसका उद्देश्य सभी दलों को 'level playing field' देना है, यानी चुनाव में सबको बराबरी का मौका मिले और कोई भी दल अपनी शक्ति का गलत इस्तेमाल न करे।

› पहचानें कि इसे कौन लागू करता है: 'Who implements this?' 'भारतीय निर्वाचन आयोग' इसे लागू करता है और इसका उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही भी करता है। यह 'to ensure free and fair elections' बहुत जरूरी है।

› निष्कर्ष निकालें: 'आदर्श आचार संहिता' का पालन इसलिए ज़रूरी है ताकि चुनाव में पारदर्शिता बनी रहे और इसे 'भारत का निर्वाचन आयोग' लागू करता है।

उत्तर – 'आदर्श आचार संहिता' चुनाव में सभी दलों को बराबरी का मौका देने और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए ज़रूरी है, और इसे 'भारतीय निर्वाचन आयोग' लागू करता है।

उदाहरण 10. मान लीजिए कि हमें भारतीय संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना है। इसके लिए चुनाव सुधार में क्या कदम सुझाया गया है?

› पहला कदम है 'identifying the problem' – यानि हमें पता है कि हमारी संसद में महिला 'representatives' की संख्या कम है, और यह 'gender inequality' दर्शाता है।

› दूसरा कदम है 'proposing a solution' – इसके लिए एक महत्वपूर्ण सुझाव है 'Reservation for Women in Parliament and State Assemblies' यानि संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए कुछ सीटें आरक्षित करना।

› तीसरा कदम है 'implementation goal' – इस आरक्षण से यह सुनिश्चित होगा कि 'a certain percentage of seats' महिलाओं के लिए तय हों, जिससे उनकी भागीदारी बढ़ेगी और उनका प्रतिनिधित्व 'more equitable' हो पाएगा।

उत्तर – चुनावी सुधारों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए 'संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण' एक महत्वपूर्ण सुझाव है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• चुनाव और लोकतंत्र के संबंध पर प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं, खासकर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लोकतंत्र के अंतर पर ध्यान दें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर 'direct questions' आते हैं कि संविधान ने चुनाव व्यवस्था के लिए क्या 'provisions' किए हैं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है। 'सर्वाधिक वोट पाने वाले की जीत' प्रणाली के साथ इसकी तुलना अक्सर पूछी जाती है, खासकर इसके फायदे और नुकसान पर प्रश्न आते हैं।

• यह प्रणाली 'राज्य सभा चुनावों में एकल संक्रमणीय मत प्रणाली' बोर्ड परीक्षाओं के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है। सूत्र को याद रखना और उसके आधार पर कोटा निकालना अक्सर पूछा जाता है। प्रक्रिया को स्टेप-बाय-स्टेप याद रखें।

• बोर्ड परीक्षा में 'सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार' के महत्व और उसके साथ 'चुनाव लड़ने के अधिकार' में उम्र संबंधी शर्तों पर प्रश्न आ सकते हैं, इन्हें अच्छे से समझना।

• निर्वाचन आयोग की संरचना (एकल/बहु-सदस्यीय) और इसकी शक्तियों पर सीधा प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में पूछा जाता है। इसे 'very important' मार्क कर लो।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'Election Reforms' पर अक्सर सीधा प्रश्न आता है, जिसमें आपको इन सुधारों की 'need and suggestions' दोनों पर विस्तार से लिखना होता है। 'You should be able to explain each suggestion' और उसका महत्व भी बताना चाहिए।

एक नज़र में रिवीज़न

› चुनाव लोकतंत्र का आधार, नागरिक प्रतिनिधि चुनते हैं; प्रत्यक्ष बनाम अप्रत्यक्ष लोकतंत्र।

› संविधान चुनावों के 'basic rules' तय करता है: मतदाता, उम्मीदवार योग्यता, चुनाव पर्यवेक्षण, मतगणना।

› वोटों के अनुपात में सीटें; पार्टी को वोट; इजराइल; छोटी पार्टी को प्रतिनिधित्व।

› राज्यसभा चुनाव, विधायक वरीयता वोट, कोटा प्रणाली, एकल संक्रमणीय मत।

› सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार: 18+ आयु के सभी नागरिकों को वोट का अधिकार।

› निर्वाचन आयोग: अनुच्छेद 324, स्वतंत्र चुनाव का प्रहरी, बहु-सदस्यीय, शक्तियां व्यापक।

› चुनावी प्रक्रिया को बेहतर बनाने हेतु सुझाए गए बदलाव।